शैक्षणिक योजना

एनईपी 2020/मौजूदा प्रणाली में कक्षा I से II के संदर्भ में प्रारंभिक चरण (5 से 8 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना –

• शैक्षणिक रणनीतियाँ:

गतिविधि और खेल आधारित शिक्षण: ए.वी. एड्स का उपयोग, शिक्षण सहायता के रूप में खिलौना, एक समय में एक अवधारणा, सरल और आसान भाषा, ज्ञात से अज्ञात।

• परिणाम आधारित शिक्षण के लिए रणनीतियाँ:

मौखिक प्रश्नों, लाइव वर्कशीट, गूगल फॉर्म क्विज़ आदि के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन।

• स्व-विनियमित शिक्षण के लिए रणनीतियाँ:

चीजों का अवलोकन करना और उनके बारे में बोलना, अवलोकन को प्रोत्साहित करना, दीक्षा/निष्ठा/एनसीईआरटी ऑडियो पुस्तकों आदि से सामग्री।

• शिक्षार्थी के विभिन्न रूपों के लिए गतिविधियाँ:

ऑनलाइन, लचीली और लाइव वर्कशीट पीपीटी आदि।

• मूल्यांकन की रूपरेखा/प्रकार:

विषय पूरा होने के बाद मूल्यांकन करना: मौखिक/एमसीक्यू/उद्देश्य/विषय से संबंधित छोटे प्रश्न।

• बहु-विषयक शिक्षण आयोजित करने की गतिविधि:

एसबीएसबी की गतिविधियाँ: योग/कला/शिल्प/संगीत आदि।

• अभिनव ऑनलाइन अभ्यास:

गूगल फॉर्म, क्विज़, कहानी सुनाना, शैक्षिक वीडियो आदि।

• शिक्षार्थी के सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ:

बच्चे की बाधाओं को जानने, प्रेरणा देने और बच्चे के आत्मविश्वास को विकसित करने और उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए माता-पिता के साथ नियमित बातचीत: बच्चे की बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए नियमित आधार पर बच्चे के साथ बातचीत करना। छात्रों और माता-पिता दोनों के प्रयासों की सराहना करना।

एनईपी 2020/मौजूदा प्रणाली में कक्षा III से V के संदर्भ में प्रारंभिक चरण (9 से 11 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना –

• शैक्षणिक रणनीतियाँ

- खेल आधारित, गतिविधि आधारित और पूछताछ आधारित, खोज आधारित, इंटरैक्टिव कक्षा शिक्षण।

- खुला शिक्षण वातावरण जिसमें छात्रों को प्रदर्शन और अभ्यास के माध्यम से समृद्ध जानकारी प्रदान की जाती है।

- सहकारी शिक्षा मिश्रित क्षमताओं वाले छात्रों को प्रोत्साहित करती है। यह छोटे समूह या पूरी कक्षा की गतिविधियों को बढ़ावा देती है।

- ऑडियो, वीडियो, चित्र, फोटो आदि प्रदर्शित करने के लिए इंटरैक्टिव बोर्ड का उपयोग प्रभावी है।

• परिणाम आधारित शिक्षा के लिए रणनीतियाँ

· मौखिक प्रश्नों, लाइव वर्कशीट, वर्ड वॉल गेम आदि के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन। ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान तुरंत प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए व्हाइटबोर्ड का उपयोग किया जाएगा।

• स्व-विनियमित शिक्षा के लिए रणनीतियाँ

· छात्रों/अभिभावकों को स्व-शिक्षा पर नज़र रखने में मदद करने के लिए एक चेकलिस्ट प्रदान करना। प्रेरणा/प्रशंसा के लिए कुछ बैज भी प्रिंट या ड्रा और रंगने के लिए उनके साथ साझा किए जा सकते हैं।

· प्रतिबिंब क्षेत्र प्रदान करना जिसमें लिखने या बोलने के माध्यम से छात्र वास्तविक जीवन की स्थितियों में अपने सीखने को उचित रूप से प्रतिबिंबित करने के लिए स्थान प्राप्त कर सकते हैं।

• शिक्षार्थी जुड़ाव के विभिन्न रूपों के लिए गतिविधियाँ

· आवश्यकतानुसार लचीली वर्कशीट/असाइनमेंट/सामग्री। कला एकीकृत शिक्षण, बहु-विषयक परियोजनाएँ, सीएमपी गतिविधियाँ, सीसीए और विभिन्न फिटनेस गतिविधियों की योजना बनाई जाएगी ताकि छात्रों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया जा सके।

• मूल्यांकन की रूपरेखा/प्रकार

· योग्यता, पोर्टफोलियो, रूब्रिक्स और मूल्यांकन विश्लेषण के डिजाइन के लिए मूल्यांकन का कार्यान्वयन।

· नियमित, रचनात्मक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन आदि।

- मौखिक, लिखित, MCQ

• बहु-विषयक शिक्षण आयोजित करने के लिए गतिविधियाँ

- एक भारत श्रेष्ठ भारत गतिविधियाँ जैसे असम भाषा के वाक्यांशों को अंग्रेजी और हिंदी में बदलना, अक्षर और संख्याएँ लिखना। असम, इसकी जनसंख्या, मौसम, धर्म आदि के बारे में जानकारी एकत्र करना और लिखना।

- कोरोना काल की आवश्यकता: कोविड 19 के दौरान रोकथाम और देखभाल (कक्षा 3 के लिए), प्रतिरक्षा विकसित करने के लिए घर का बना खाना (कक्षा 4 के लिए) और योग और शारीरिक फिटनेस (कक्षा 5 के लिए)।

• अभिनव ऑनलाइन अभ्यास

- कक्षा से पहले भिनभिनाने वाली मधुमक्खी का व्यायाम।

- YouTube के माध्यम से कहानी सत्र।

- शिक्षकों द्वारा घर पर सीखने में मदद करने के लिए तैयार किए गए अभ्यास वीडियो।

- सहकारी शिक्षा.... इसके लिए प्रतिभाशाली छात्र किसी विशेष विषय को पूरा करने के बाद कहूट जैसी छोटी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी बना सकते हैं और अन्य छात्रों से भागीदारी के लिए पूछ सकते हैं।

- वर्चुअल टूर के लिए गूगल अर्थ

- भाषा और शब्दावली समृद्ध करने वाले यूट्यूब चैनल

- वर्ड वॉल और लाइव वर्कशीट

- संवर्धित शिक्षा का उपयोग।

- स्लाइड शो का उपयोग

- दीक्षा और निष्ठा जैसे वेब पोर्टल का उपयोग

• शिक्षार्थियों के सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ

- मदद की आवश्यकता वाले विशिष्ट छात्रों को साप्ताहिक कॉल। छात्र की समस्या की स्पष्टता के लिए शिक्षक द्वारा बनाए गए लघु वीडियो भेजना।

एनईपी 2020/मौजूदा व्यवस्था में कक्षा VI से VIII के संदर्भ में मध्य चरण (12 से 14 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना -

• शैक्षणिक रणनीतियाँ

- प्रत्येक पाठ की पाठ योजना तैयार करना

- पाठ विशिष्ट गतिविधियों की सूची तैयार करना
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान छात्रों की सक्रिय भागीदारी
- गतिविधि-आधारित अधिगम को शामिल करके करके सीखना
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के साथ एकीकृत मूल्यांकन प्रणाली को अपनाना
- विषय समिति की बैठकों के माध्यम से मासिक विषयवार योजना
- ऑनलाइन कक्षाओं के साथ-साथ ऑफ़लाइन कक्षाओं में ऑडियो-विज़ुअल एड्स का अधिकतम उपयोग करना

• परिणाम आधारित अधिगम के लिए रणनीतियाँ

- विषय समिति की बैठकों में अगले महीने के लिए प्रत्येक मानक के परिणाम और एक विशिष्ट पाठ के लिए विशिष्ट परिणाम तय किए जाएँगे

योजना (एनईपी-2020 के आधार पर)

- सभी पाठ योजनाएँ पाठ के विशिष्ट परिणामों पर ध्यान केंद्रित करके तैयार की जाएँगी।
- शिक्षण प्रक्रिया के दौरान ही सीखने के प्रमुख क्षेत्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
- सभी केंद्रीय विद्यालयों के लिए केवीएस द्वारा तय किए गए मूल्यांकन कार्यक्रम के माध्यम से परिणामों का भी मूल्यांकन किया जाएगा।
- गूगल क्विज़, ऑनलाइन टूल आदि के माध्यम से परिणामों के मूल्यांकन के लिए एक और तरीका होगा।
- प्रत्येक विषय के पूरा होने के बाद छात्रों के प्रदर्शन का अवलोकन किया जाएगा

• स्व-विनियमित सीखने के लिए रणनीतियाँ

- 1. छात्रों द्वारा घर पर किए जाने वाले प्रोजेक्ट/गतिविधियों की योजना बनाना
- 2. दूसरे समूह के छात्रों के साथ गतिविधियों को साझा करने की आदत विकसित करना

- 3. सहकर्मी सीखने के तौर-तरीकों को शामिल करना
- 4. छात्रों को स्व-अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाएगा
- 5. घर पर छात्रों की निगरानी के लिए माता-पिता को शामिल करना
- 6. सहकारी सीखने की प्रथाओं का विकास

• शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी के लिए गतिविधियाँ

- 1. शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रदर्शन गतिविधियाँ अपनाई जाएँगी।
- 2. सीखने को वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़ा जाएगा।
- 3. छात्रों के लिए आत्म-संलग्नता हेतु सीखने का माहौल बनाना
- 4. शिक्षक और छात्र के बीच लगातार संवाद ऑनलाइन कक्षाओं की मुख्य योजना होगी।
- 5. शिक्षार्थियों से खुली प्रतिक्रिया प्राप्त करने को प्राथमिकता दी जाएगी।
- 6. छात्रों को अपनी भावनाओं और समस्याओं को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- 7. ऑनलाइन गेम, लाइव वर्कशीट, पहेलियाँ और शब्द खेल आदि का उपयोग।

• मूल्यांकन प्रणाली

- सबसे पहले, केवीएस द्वारा अपने केंद्रीय विद्यालय के लिए निर्धारित मूल्यांकन या आकलन की एक केंद्रीकृत प्रणाली को अपनाया जाएगा।
- यह आवधिक परीक्षण, रचनात्मक मूल्यांकन और योगात्मक मूल्यांकन के माध्यम से निरंतर व्यापक मूल्यांकन के माध्यम से हो सकता है।
- सभी मूल्यांकन विधियों के लिए नियमित रिकॉर्डकीपिंग का पालन किया जाना चाहिए।

• बहु-विषयक शिक्षण के संचालन के लिए गतिविधियाँ

· बहु-विषयक शिक्षण के लिए, कुछ गतिविधियों को प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया जाएगा जैसे कि वाद-विवाद, अनुभवों को साझा करना, एसबीएसबी कार्यक्रमों में भाग लेना, योग गतिविधियाँ, कला और शिल्प गतिविधियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि।

· ऑनलाइन या ऑफलाइन कक्षा में उन समस्याओं के बारे में चर्चा जो अन्य विषयों से संबंधित हैं लेकिन प्रगतिशील पाठ में शामिल हैं।

· छात्रों को कुछ प्रोजेक्ट या असाइनमेंट गतिविधियाँ दी जा सकती हैं जो दो या अधिक विषयों से संबंधित हैं।

• अभिनव ऑनलाइन अभ्यास

· गतिविधियों को साझा करके और ऑनलाइन गेम, पहेलियाँ आदि जैसी कुछ अन्य रोचक गतिविधियों के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं में छात्रों की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए।

· कला एकीकृत दृष्टिकोण का उपयोग

· वीडियो चलाना और ऑनलाइन गतिविधियाँ आयोजित करना

· Google फ़ॉर्म, ऑनलाइन क्विज़, वीडियो आदि का उपयोग।

· दीक्षा, निष्ठा, ई-पाठशाला आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग।

• सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ

· संचार अंतराल को कम किया जाना चाहिए और प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देकर छात्रों के साथ एक स्वस्थ संबंध बनाना चाहिए। कक्षा में ऐसे छात्रों के साथ प्रतिदिन बातचीत करें ताकि वे कक्षा के साथ-साथ अपने शिक्षक से भी परिचित हो जाएँ। इससे शिक्षक को प्रत्येक छात्र के सीखने के अंतराल को पहचानने में मदद मिलेगी।

· सीखने के अंतराल की पहचान करने के लिए पोस्ट लर्निंग असेसमेंट का उपयोग।

· शिक्षक नियमित रूप से छात्र और अभिभावकों के साथ बातचीत करेगा और छात्रों की समस्याओं को जानने की कोशिश करेगा।

· छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए परामर्श सत्र या ऑनलाइन वेबिनार का उचित तरीके से आयोजन किया जाएगा।

एनईपी 2020/मौजूदा व्यवस्था में कक्षा IX से X के संदर्भ में माध्यमिक स्तर (15 से 16 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना –

• शैक्षणिक रणनीतियाँ

- गतिविधि-आधारित शिक्षण को शामिल करके रटने की बजाय करके सीखने की प्रक्रिया को अपनाना
- गतिविधि पाठ विशेष की सूची तैयार करना
- एकीकृत टीएलपी मूल्यांकन
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान छात्रों की सक्रिय भागीदारी
- एकीकृत टीएलपी पाठ योजना (अनुभवात्मक अधिगम)
- विषय समिति के प्रमुखों द्वारा विषयों के बीच संबंधों की खोज एकीकृत दृष्टिकोण विकसित करने के लिए- शिक्षकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए वांछनीय प्रतिबिंब लाना।
- कला-एकीकृत शिक्षा को कक्षा के लेन-देन में शामिल किया जाएगा।
- संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ावा देना- खेल गतिविधियाँ।

• परिणाम आधारित अधिगम के लिए रणनीतियाँ

शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन में 21वीं सदी के कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। भाषा संबंधी बाधाओं को दूर किया जाएगा। छात्रों को ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व विकसित करने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करें जो उन्हें इच्छित शिक्षण परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

- परिणामों को निर्दिष्ट करना
- परिणाम प्राप्त करने के लिए उपयुक्त शिक्षण विधियों का उपयोग

- छात्रों को व्यावहारिक आधारित ज्ञान प्रदान करना
- परिणाम सुनिश्चित करने के लिए नियमित मूल्यांकन।
- Google क्विज़, ऑनलाइन टूल आदि के माध्यम से परिणामों के मूल्यांकन के लिए एक और तरीका होगा।

• स्व-विनियमित सीखने के लिए रणनीतियाँ

वांछित सीखने के परिणाम प्राप्त करने, वैकल्पिक और अभिनव शिक्षा केंद्रों तक व्यापक पहुँच, सीखने के लिए कई रास्ते शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह से। नए अनुभवों को पिछली शिक्षा से जोड़ना, अमूर्त अवधारणाओं के बीच संबंध, सीखने के कार्य का विश्लेषण, लक्ष्य निर्धारित करना, रणनीति बनाना, प्रदर्शन पर प्रतिबिंबित करना।

- लक्ष्य निर्धारित करना और योजना बनाना
- अभ्यास करना और याद रखना
- प्रगति का मूल्यांकन और जाँच करना
- अपने काम का विश्लेषण करना
- ज़रूरत के हिसाब से अपने माहौल की संरचना करना
- सहायता लेना

- साथियों के साथ चर्चा करना।

• शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी के लिए गतिविधियाँ

- शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी के लिए निम्नलिखित गतिविधियों की योजना बनाई जा सकती है-

- खुली चर्चा मंच का निर्माण

- शिक्षार्थियों की भागीदारी के लिए पुरस्कार और मान्यता कार्यक्रम

- अतिरिक्त सीखने के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन और वृद्धिशील अंक।

- इंटरैक्टिव सत्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं में लाइव क्विज़ का संचालन।

- आरेख प्रस्तुति।

- लाइव कक्षाओं में छात्रों द्वारा परियोजनाओं/गतिविधियों/मॉडल का संचालन

- छात्रों को समस्याएँ देना और उन्हें उत्तर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

- छात्रों द्वारा सेमिनार/डिजिटल प्रस्तुतियाँ आयोजित करना।

- वाद-विवाद आधारित गतिविधियों का संचालन।

- वेबिनार का संचालन

• रूपरेखा//मूल्यांकन के प्रकार

मूल्यांकन शिक्षकों को छात्रों के सीखने के लिए रणनीतियों को समझने और योजना बनाने में मदद करता है।

- सबसे पहले, केवीएस द्वारा अपने केंद्रीय विद्यालय के लिए निर्धारित मूल्यांकन या आकलन की एक केंद्रीकृत प्रणाली को अपनाया जाएगा।

- प्रश्न पूछने से ज्ञान में अंतराल की पहचान करने और उसे पाटने के अवसर मिलते हैं।

ज्ञान विस्तार के अवसर प्रदान करना। इसलिए, प्रश्नों को पिछले और भविष्य के ज्ञान से जोड़ना चाहिए।

- व्यावहारिक गतिविधियों का उचित निष्पादन; जिसमें हाथों पर गतिविधियाँ शामिल हैं, सीखने को दैनिक जीवन के अनुभवों से जोड़ना ताकि इसे आनंददायक बनाया जा सके।

- एक अंतःविषय और बहुभाषी दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

- रोल प्ले, प्रोजेक्ट, फील्ड एक्टिविटी, सीसीए (कला, शिल्प, कठपुतली, संगीत, नृत्य आदि) आदि को एकीकृत किया जाना चाहिए।

- नियमित रिकॉर्ड रखना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

• बहु-विषयक शिक्षण के संचालन के लिए गतिविधियाँ

बहु-विषयक दृष्टिकोण विभिन्न विषयों के बीच अंतर-संबंध विकसित करेगा और शिक्षार्थी अपने ज्ञान को दैनिक जीवन में लागू करने में भी सक्षम होगा।

- छात्रों को अन्य विषयों से संबंधित गणितीय अवधारणाओं को समझाने के लिए ग्राफिकल और विश्लेषणात्मक पैराग्राफ का उपयोग करना।

- कला एकीकृत शिक्षण विकसित करने के लिए कार्टून/कॉमिक/आरेख/विभिन्न सांस्कृतिक कला-आधारित शिक्षण।

- छात्रों को प्रसिद्ध व्यक्तियों की जीवनी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जो छात्रों को ऐतिहासिक और साहित्यिक कौशल बढ़ाने में मदद करेगा।

- भौगोलिक अवधारणाओं को जानने के लिए पर्यावरणीय घटनाओं पर अध्ययन करना।

- कंप्यूटर और फोरेंसिक विज्ञान को समझने के लिए संगणना और डेटा विश्लेषण।

- रसायन विज्ञान की अवधारणाओं को समझने के लिए प्रयोगात्मक सीखने के दौरान रासायनिक परीक्षण करना।

- भौतिकी को समझने के लिए प्रयोगात्मक सीखने के दौरान उपकरणों और उपकरणों को संभालना।

- भौतिकी को समझने के लिए प्रयोगात्मक सीखने के दौरान उपकरणों और उपकरणों को संभालना।

- • कला, ऐतिहासिक और साहित्यिक कौशल विकसित करने के लिए नाट्य प्रस्तुति कला, ऐतिहासिक, साहित्यिक और अन्य विषयों को विकसित करने के लिए पोस्टर/पर्चे बनाना राजनीतिक, ऐतिहासिक और अन्य विषयों को विकसित करने के लिए पत्रिकाओं से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचारों का संग्रह। डिजिटल साक्षरता, कोडिंग और कम्प्यूटेशनल सोच, नैतिक और नैतिक तर्क पर जोर देना। गतिविधियों का संचालन करते समय पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर के बीच कोई कठोर विभाजन नहीं होना चाहिए। • अभिनव ऑनलाइन अभ्यास वर्तमान समय की नई सामान्य परिस्थितियों ने छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए सीखने के नए दरवाजे खोल दिए हैं। हर कोई शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को रोचक और शिक्षार्थी केंद्रित बनाने के लिए नए विचारों को लागू कर रहा है। निम्नलिखित गतिविधियों का उपयोग किया जा रहा है –

- एआई, 3 डी सिमुलेशन, शिक्षण-अधिगम ई-सामग्री का उपयोग, शैक्षिक यूट्यूब वीडियो, मौजूदा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का अनुकूलन, सीखने के मिश्रित तरीके, वर्चुअल लैब नियमित रचनात्मक मूल्यांकन

- मौजूदा शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग - दीक्षा, स्वयं, निष्ठा, ई-पाठशाला आदि वंचित समूह तक शिक्षा की पहुँच को बढ़ाया।

- गेम आधारित शिक्षण, विभिन्न मल्टीमीडिया प्लेटफ़ॉर्म

- ऑनलाइन व्हाइटबोर्ड/इंटरैक्टिव बोर्ड का उपयोग।

• सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ

आमतौर पर, यह संचार अंतराल का परिणाम है जिसे कम किया जा सकता है और हम छात्रों के साथ एक स्वस्थ संबंध बना सकते हैं

- प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देकर। इसके लिए शिक्षक को नियमित रूप से छात्र और अभिभावकों के साथ बातचीत करनी चाहिए।

- छात्रों और अभिभावकों दोनों के प्रयासों को स्वीकार करना और उनकी सराहना करना भी सीखने के अंतराल को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

- बच्चे को आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि उसे मुख्य धारा में लाया जा सके।

- पाठ्यक्रम को मूल अवधारणा तक सीमित किया जाना चाहिए, आईसीटी को शिक्षण पद्धति में एकीकृत किया जाना चाहिए

- छात्रों को उनकी गलतियों का आकलन करने और उन्हें सुधारने के लिए अधिक समय प्रदान करना।

- अपने पिछले शिक्षक से बातचीत करना

- पिछली पढ़ाई की यादों को जगाने के लिए इंटरैक्टिव क्विज़ का उपयोग करना।

मौजूदा प्रणाली में NEP 2020/ कक्षा XI से XII (विज्ञान स्ट्रीम) के संदर्भ में माध्यमिक चरण (16 से 18 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना।

• शैक्षणिक रणनीतियाँ

- व्यावहारिक और अनुप्रयोग-आधारित शिक्षण अनुभवात्मक शिक्षण को अपनाया जाएगा
- चिंतनशील संवादों को बढ़ावा देना।
- सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना।

- शिक्षार्थियों को अमूर्त और अवधारणा के बीच संबंध बनाने में मदद करना।
- शिक्षार्थियों को पिछले सीखने के साथ नए अनुभवों को जोड़ने में मदद करना।
- स्व-नियामक सीखने को प्रोत्साहित करने के तरीके और तरीके।
- सार्थक संवाद, उद्धरण वास्तविक जीवन की स्थिति से जुड़े होने चाहिए।

• शिक्षार्थी की विभिन्न प्रकार की सहभागिता के लिए गतिविधियाँ

- सहभागिता गतिविधियाँ शिक्षण शिक्षण का आवश्यक घटक हैं। यह कक्षाओं को आकर्षित करने में मदद करती हैं।
- सीखने को वास्तविक दुनिया से जोड़ें।
- छात्रों के साथ सहभागिता उनके बीच रुचि पैदा करती है।
- खाली समय को भरने में मदद करें।
- समूह कार्य और सहयोग के लिए पूरा उपयोग करें।
- छात्रों को नियमित रूप से काम प्रस्तुत करने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- हमारे छात्रों को अपनी बात कहने का मौका दें....

- हमारे छात्रों को आगे बढ़ने और जीवंत उपस्थिति बनाने में मदद करें।

- कमरे को पढ़ें।

- जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए उचित तरीके और साधन अपनाएँ।

• मूल्यांकन की रूपरेखा / प्रकार

- स्कूली शिक्षा की उच्च शिक्षा प्रणाली में सार्थक और महत्वपूर्ण मूल्यांकन की आवश्यकता या माँग।

- मूल्यांकन या मूल्यांकन की भावना शिक्षण के दर्शन का एक महत्वपूर्ण घटक होना चाहिए।

- हमें औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के मूल्यांकन/मूल्यांकन विधियों पर चर्चा करनी चाहिए जैसे: परीक्षण, क्विज़ आदि कैसे डिज़ाइन करें।

- हम गतिविधियों में प्रश्नों की सत्यता क्यों निर्धारित करते हैं।

- अलग-अलग बोर्डों पर लिखना साफ-सुथरा और समझने और अनुसरण करने के लिए स्पष्ट होना चाहिए।

- हालाँकि, कोई एकल मानकीकृत सही दृष्टिकोण नहीं है, इसके बाद भी यह सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए सकारात्मक प्रतिबिंबित करता है।

- यह इस बारे में विशद अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि हम कक्षा में क्या करते हैं और क्यों करते हैं।

• बहु-विषयक शिक्षण के संचालन के लिए गतिविधियाँ

एमडीएल वह कौशल है जो अध्ययन और अन्य जीवन के अनुभवों में भी विकसित हुआ है। एक से अधिक विषयों का अध्ययन करने से महत्वपूर्ण हस्तांतरणीय कौशल विकसित करने में मदद मिलती है, जो जीवन के सभी चरणों में विकसित होते रहते हैं।

बहु-विषयक शिक्षा के माध्यम से प्राप्त हस्तांतरणीय और कौशल। ये कौशल इस प्रकार हैं:

- आलोचनात्मक सोच: विषय क्षेत्रों में अवधारणा की तुलना और अंतर करने में मदद करें।

- स्व-प्रबंधन: छात्र किस विषय को प्राथमिकता देते हैं और क्यों। वे अपने अध्ययन विकल्प का प्रबंधन करते हैं।

- अनुकूलनशीलता: अलग-अलग विषयों को अलग-अलग तरीके से देखने की आवश्यकता हो सकती है। विषय को अनुकूल बनाए रखने के लिए सावधानीपूर्वक स्व-प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

- विश्लेषण और समस्या समाधान: लिखित और मौखिक संचार कौशल; विभिन्न मूल्यांकन विधियों की श्रेणी-जिसमें अनुप्रयोग आधारित प्रश्न, लैब रिपोर्ट, लिखित या मौखिक परीक्षा, क्विज़, प्रतियोगिता, MCQ विधियाँ आदि शामिल हैं।

- सूचना प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग: आईसीटी के अधिक उपयोग का अर्थ है प्रदर्शन और प्रस्तुति का अधिक अभ्यास।

- लचीलापन: विभिन्न संदर्भों और वातावरणों को अपनाने की क्षमता। बहु-विषय अध्ययन, एक विषय से दूसरे विषय पर स्विच करना आदि।

- विचारों का संश्लेषण: विचारों को कई संभावित तरीकों से जोड़कर सीखना शुरू करें। ज्ञान प्राप्त करने के वैकल्पिक तरीकों पर विचार करें। यह सीखने की अपनी शैली, प्रेरणा और व्यक्तिगत रुचि को सक्षम बनाता है। उदाहरण: अकाउंट्स, व्यवसाय और अर्थशास्त्र में अकादमिक रुचि।

• अभिनव ऑनलाइन अभ्यास

ऑनलाइन अभ्यास इस प्रकार किया जा सकता है:

- शिक्षण के अभिनव तरीके जो शिक्षक को छात्रों को बेहतर ढंग से संलग्न करने में मदद करते हैं।

- अच्छी तरह से नियोजित आभासी सत्र के माध्यम से नैतिक सीखने की प्रक्रिया निर्धारित करें।

- स्व-विनियमित सीखने को प्रोत्साहित करें।

• सीखने वालों के सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ।

- यदि बच्चा पढ़ने में संघर्ष कर रहा है, अकाउंट्स, अर्थशास्त्र जैसे व्यावहारिक विषयों में अवधारणा को समझने में संघर्ष कर रहा है, तो अंतराल को पूरा करने के लिए अधिक समय अभ्यास की अनुमति दी जा सकती है।

- संबंध बनाएँ।

- छात्रों को व्यस्त और उत्साहित करें।

- कई अवसर प्रदान करें।

मौजूदा व्यवस्था में एनईपी 2020/कक्षा XI से XII (कला स्ट्रीम) के संदर्भ में माध्यमिक चरण (16 से 18 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना –

• शैक्षणिक रणनीतियाँ

· अनुकूली शिक्षण, करके सीखना, संदर्भ-आधारित शिक्षण, अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, पूछताछ उन्मुख, शिक्षार्थी-केंद्रित।

• परिणाम आधारित शिक्षण के लिए रणनीतियाँ

· कला एकीकृत शिक्षण, खुली समस्याएँ, ऑनलाइन वीडियो और ऑडियो ट्यूटोरियल, योग्यता-आधारित प्रश्न - पेपर पेंसिल कार्य, कार्यपत्रक बनाएँ और करें और अनुभवात्मक शिक्षण के लिए खेल।

• स्व-विनियमित शिक्षण के लिए रणनीतियाँ

· शिक्षार्थियों के आत्म-विश्वास, लक्ष्य निर्धारण और अपेक्षाओं का मार्गदर्शन करें, समूह चर्चा आदि के माध्यम से चिंतनशील संवाद को बढ़ावा दें, सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करें, अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों का उपयोग करें, व्यापक संदर्भों में ज्ञान के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करें।

सहकारी अधिगम मिश्रित योग्यता वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। पाठ विशेष की गतिविधि सूची तैयार करना। शैक्षणिक रचनात्मकता को सुविधाजनक बनाने के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी, अपनी रचनात्मक पक्ष को तलाशने की स्वतंत्रता, ऑडियो-वीडियो शिक्षण उपकरणों का उपयोग, कक्षा के बाहर सीखना, शौक सहित, सहकर्मी सीखने के लिए समूह और क्लब बनाना।

• परिणाम आधारित अधिगम के लिए रणनीतियाँ

· यह सुनिश्चित करना कि विद्यार्थी इस स्तर पर आवश्यक सभी बुनियादी और साथ ही उन्नत ज्ञान, समझ और दक्षताओं के पहले चरण से सुसज्जित हों। प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करें, लेकिन निष्पादित गतिविधियों पर नहीं। सोचो-सीखो-प्रदर्शन पद्धति अपनाई जाएगी।

• स्व-विनियमित अधिगम के लिए रणनीतियाँ

· स्व-अध्ययन, समूह चर्चा और समूह चर्चा के माध्यम से सहयोगी अधिगम के लिए प्रेरणा। विद्यार्थी स्व-विनियमन के लिए अधिक प्रेरित होंगे यदि वे जो सीख रहे हैं उसकी प्रासंगिकता देख सकते हैं, विद्यार्थी प्रदर्शन लक्ष्यों के बजाय सीखने के लक्ष्यों की ओर उन्मुख होते हैं।

• शिक्षार्थी सहभागिता के विभिन्न रूपों के लिए गतिविधियाँ

· क्विज़, प्रतियोगिताएँ, मूल्यांकन, संवर्धन सामग्री और साझा हितों के लिए ऑनलाइन समुदायों के साथ ऑनलाइन ऐप। छात्रों को पूरक संवर्धन सामग्री और मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देकर। विषय-केंद्रित और परियोजना-आधारित क्लब और मंडलियों को स्कूलों, स्कूल परिसरों, जिलों और उससे आगे के स्तरों पर प्रोत्साहित और समर्थित किया जाएगा। उदाहरणों में विज्ञान शामिल है।

• मूल्यांकन की रूपरेखा/प्रकार

· नैदानिक मूल्यांकन, सतत मूल्यांकन- सीखने के लिए मूल्यांकन। योगात्मक मूल्यांकन। रचनात्मक मूल्यांकन गतिविधियाँ छात्रों को क्या समझ में आता है और क्या नहीं, इसके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं। इसके अलावा, त्वरित और निरंतर मूल्यांकन गतिविधियाँ शिक्षार्थियों को उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद करके सीखने की बाधाओं को दूर करने में मदद कर सकती हैं।

• बहु-विषयक शिक्षण आयोजित करने के लिए गतिविधियाँ

· वास्तविक जीवन की स्थितियों को जोड़कर अनुसंधान परियोजनाएँ, व्यावहारिक उदाहरणों का उपयोग करके आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच, गणित और जीव विज्ञान को भौतिकी के साथ जोड़ना, विज्ञान को रसायन विज्ञान से जोड़ना, विभिन्न विषयों से कौशल और अवधारणाओं का उपयोग करना।

• अभिनव ऑनलाइन अभ्यास

· आजकल बहुत सारी ई-बुक्स, किसी भी विषय/विषय पर आधारित ऑनलाइन क्विज़, शैक्षिक वीडियो, ओ लैब, दीक्षा पोर्टल, शैक्षिक ई-साइटें उपलब्ध हैं। इन सभी का उपयोग करके अधिक से अधिक अभ्यास किया जा सकता है।

• शिक्षार्थियों के सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ

- सीखने के क्षेत्रों की पहचान, बुनियादी अवधारणाओं पर जोर, एक-से-एक दृष्टिकोण, ज़रूरतों और रुचि के अनुसार शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करना, उद्देश्यपूर्ण बातचीत और प्रतिक्रिया, शिक्षार्थियों की उचित काउंसलिंग, और उनके माता-पिता के साथ बातचीत, शिक्षार्थियों को प्रेरित करना।

मौजूदा प्रणाली में NEP 2020/ कक्षा XI से XII (कॉमर्स स्ट्रीम) के संदर्भ में माध्यमिक चरण (16 से 18 वर्ष की आयु के लिए) के लिए शैक्षणिक योजना –

• शैक्षणिक रणनीतियाँ

- कक्षा में शिक्षण और कार्रवाई के बारे में शिक्षक की मान्यताओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

- विषय-वस्तु प्रदान करने का तरीका - किसी के शिक्षण का क्यों, क्या और कैसे।

- इस प्रक्रिया में इस बात का विशद चित्रण होना चाहिए कि कोई व्यक्ति शिक्षण अभ्यास के बारे में कितना जानबूझकर, शिक्षार्थियों के करियर के लिए प्रतिबद्ध है।

- यह शिक्षक को नौकरी के लिए आवेदन करने के लिए दर्शाता है।

- शिक्षण दर्शन का उद्देश्य और मूल्य व्यावहारिक और सारांश से परे है।

- यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए परिवर्तन और सुधार की सुविधा प्रदान करता है।

- सीखने की अवधारणा, शिक्षण, छात्रों के लिए लक्ष्य जैसे संभावित घटक को शामिल करें जो व्यक्तिगत विशिष्टता को दर्शाते हैं।

- शिक्षण दर्शन बताता है कि शिक्षण के बारे में विश्वासों को "कार्रवाई में कैसे अनुवादित किया जाता है।"

- वैचारिक सीखने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

- खोज और खोजी आधारित सीखने को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

- सामग्री वितरण के अंतःक्रिया और आत्मनिरीक्षण दृष्टिकोण की सराहना की जानी चाहिए।

- उनकी विविधता का जश्न मनाने के लिए सुरक्षित और निष्पक्ष कक्षा का माहौल प्रदान करना।

- शिक्षा दर्शन रचनावाद के ढांचे के भीतर सन्निहित है।

- रचनावाद सीखने का एक प्रतिमान है।

- शिक्षार्थी के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता प्रदान करें।

• परिणाम आधारित सीखने के लिए रणनीतियाँ

- शिक्षण की संरचनात्मक व्यवस्था को ठीक करें।

- शिक्षण घटकों को तय करें।

- सिद्धांत (समझने के लिए), व्यावहारिक (कौशल विकसित करने के लिए)

- सेमिनार, संगोष्ठी और वेबिनार आयोजित करें (संचार कौशल विकसित करने के लिए)

- समस्याओं को सूचीबद्ध किया जाना चाहिए और तदनुसार हल किया जाना चाहिए।

- असाइनमेंट (उच्च शिक्षा में सार्थक)

- परियोजनाओं और गतिविधियों को प्रसारित किया जाना चाहिए (छोटे, समूह)

- स्लाइड शो, वीडियो और पीडीएफ परिणामों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

- परिणाम-आधारित सीखने के लिए निर्देशात्मक रणनीतियों को लागू किया जाना चाहिए।

- परिणाम-आधारित सीखने को डिजाइन करना और लागू करना।

- महत्वपूर्ण मुद्दों और उत्तरों के लिए योजना बनाना।

- पूर्ण लेख, आंकड़े, डेटा, उद्धरण, मैट्रिक्स और संदर्भों के संशोधन शामिल किए जाने चाहिए।

- खुली पहुंच, अवसर, सहायता और जानकारी, अद्यतित रहें और शिक्षार्थियों की समस्याओं को हल करने में मदद करें।

• स्वयं, विनियमित शिक्षा के लिए रणनीतियाँ

• शिक्षार्थी सहभागिता के विभिन्न रूपों के लिए गतिविधियाँ

- सक्रिय शिक्षण अवसर, पूछताछ-आधारित शिक्षण, विचार-मंथन, सहकारी शिक्षण, वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ शिक्षण को जोड़ना।

• मूल्यांकन की रूपरेखा/प्रकार

- व्यक्तिगत शिक्षण का मूल्यांकन, समूह आधारित मूल्यांकन, स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी मूल्यांकन।

• बहु-विषयक संचालन के लिए गतिविधियाँ

- रुचि के क्षेत्र/विषयों की पहचान। 2. पूरक पूरक विषयों की पहचान 3. अनिवार्य विषयों के लिए न्यूनतम योग्यता अंक 4. प्रदर्शन मूल्यांकन सभी विषयों के लिए भारित स्कोर पर आधारित होना चाहिए।

• अभिनव

ऑनलाइन अभ्यास

- ऑनलाइन क्विज़, शिक्षण-अधिगम ई-सामग्री का उपयोग, शैक्षिक यूट्यूब वीडियो, मौजूदा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का अनुकूलन।

• शिक्षार्थियों के सीखने के अंतराल को दूर करने की रणनीतियाँ

· अधिक से अधिक परीक्षण आयोजित किए जाने चाहिए, रिकॉर्ड किए गए पाठ प्रदान किए जा सकते हैं, सहकर्मी समूह चर्चा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।